|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| October | |  |  |  | November | |  |  |  | December | | |
| DATE | **✓** | CHAPTER | | DATE | | **✓** CHAPTER | | |  | DATE | **✓** | CHAPTER |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1 |  | 3 |  |  | 1 |  | 14 |  | 1 | | *Reflection* |  |
| 2 |  | 4 |  | 2 | |  | 15 |  | 2 | | *Reflection* |  |
| 3 |  | 5 |  | 3 | | *Reflection* |  |  | 3 | |  | 3 |
| **2 John** | |  |  | 4 | | *Reflection* |  |  | 4 | |  | 4 |
| 4 |  | 1 |  | 5 | |  | 16 |  | 5 | |  | 5 |
| **3 John** | |  |  | 6 | |  | 17 |  | 6 | |  | 6 |
| 5 |  | 1 |  | 7 | |  | 18 |  | 7 | |  | 7 |
| 6 | *Reflection* |  |  | 8 | |  | 19 |  | 8 | | *Reflection* |  |
| 7 | *Reflection* |  |  | 9 | |  | 20 |  | 9 | | *Reflection* |  |
| **1 Peter** | |  |  | 10 | | *Reflection* |  |  | 10 | |  | 8 |
| 8 |  | 1 |  | 11 | | *Reflection* |  |  | 11 | |  | 9 |
| 9 |  | 2 |  | 12 | |  | 21 |  | 12 | |  | 10 |
| 10 |  | 3 |  | **1 Thessalonians** | | |  |  | 13 | |  | 11 |
| 11 |  | 4 |  | 13 | |  | 1 |  | 14 | |  | 12 |
| 12 |  | 5 |  | 14 | |  | 2 |  | 15 | | *Reflection* |  |
| 13 | *Reflection* |  |  | 15 | |  | 3 |  | 16 | | *Reflection* |  |
| 14 | *Reflection* |  |  | 16 | |  | 4 |  | 17 | |  | 13 |
| **John** |  |  |  | 17 | | *Reflection* |  |  | 18 | |  | 14 |
| 15 |  | 1 |  | 18 | | *Reflection* |  |  | 19 | |  | 15 |
| 16 |  | 2 |  | 19 | |  | 5 |  | 20 | |  | 16 |
| 17 |  | 3 |  | **2 Thessalonians** | | |  |  | 21 | |  | 17 |
| 18 |  | 4 |  | 20 | |  | 1 |  | 22 | | *Reflection* |  |
| 19 |  | 5 |  | 21 | |  | 2 |  | 23 | | *Reflection* |  |
| 20 | *Reflection* |  |  | 22 | |  | 3 |  | 24 | |  | 18 |
| 21 | *Reflection* |  |  | **2 Peter** | | |  |  | 25 | |  | 19 |
| 22 |  | 6 |  | 23 | |  | 1 |  | 26 | |  | 20 |
| 23 |  | 7 |  | 24 | | *Reflection* |  |  | 27 | |  | 21 |
| 24 |  | 8 |  | 25 | | *Reflection* |  |  | 28 | |  | 22 |
| 25 |  | 9 |  | 26 | |  | 2 |  | 29 | | *Reflection* |  |
| 26 |  | 10 |  | 27 | |  | 3 |  | 30 | | *Reflection* |  |
| 27 | *Reflection* |  |  | **Jude** | |  |  |  | 31 | | *Rejoice!* |  |
| 28 | *Reflection* |  |  | 28 | |  | 1 |  |  |  |  |  |
| 29 |  | 11 |  | **Revelation** | | |  |  |  |  |  |  |
| 30 |  | 12 |  | 29 | |  | 1 |  |  |  |  |  |
| 31 |  | 13 |  | 30 | |  | 2 |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

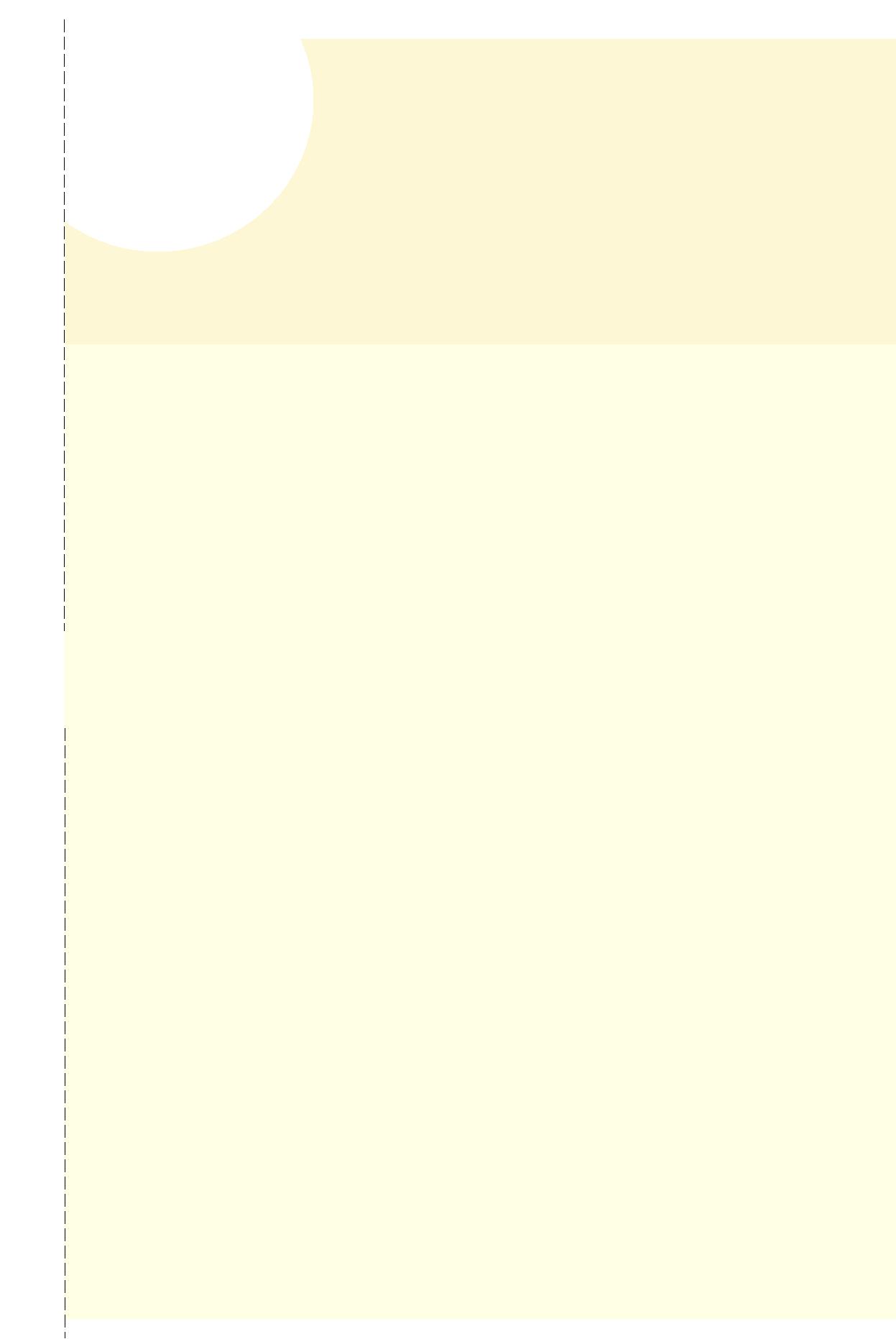
*© 2005 by* Discipleship Journal*. All Rights Reserved. The 5x5x5 Bible Reading Plan materials crafted by Bill Mowry. The New Testament Bible Reading Plan developed by Mark Bogart and Peter Mayberry.*

REPRINTS: Permission is granted to reprint unlimited copies of the 5x5x5 Bible Reading Plan for non-commercial use. All copyright information must be retained.

READY FOR MORE? If you completed this Bible reading plan and want more, we have additional reading plans and much more at www.discipleshipjournal.com.

|  |
| --- |
| *(Fold Here)* |

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| 5x5x5 | Discipleship Journal’s |  |
| *Bible Reading Plan* |  |

Through the New Testament in 5 days a week, 5 minutes a day

5 minutes a day | If you’re not currently reading the Bible, start with 5 minutes a day. This reading plan will take you through all 260 chapters of the New Testament, one chapter per day. The gospels are read throughout the year to keep the story of Jesus fresh all year.

5 days a week | Determine a time and location to spend 5 minutes a day for 5 days a week. It is best to have a consistent time and a quiet place where you can regularly meet with the Lord.

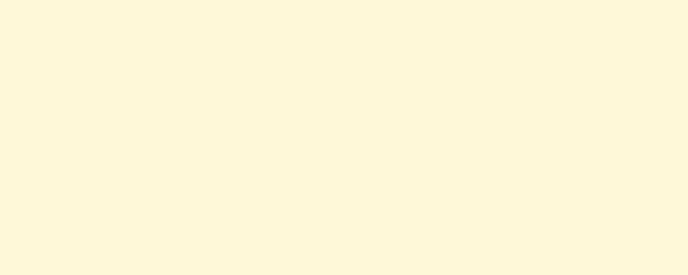
5 ways to dig deeper | We must pause in our reading to dig into the Bible. Below are 5 diﬀerent ways to dig deeper each day. These exercises will encourage medi-tation. We recommend trying a single idea for a week to find what works best for you. Remember to keep a pen and paper ready to capture God’s insights.

1. **Underline or highlight** key words or phrases in the Bible passage. Use a penor highlighter to mark new discoveries from the text. Periodically review your markings to see what God is teaching you.

**2. Put it into your own words.** Read the passage or verse slowly, then rewriteeach phrase or sentence using your own words.

**3. Ask and answer some questions.** Questions unlock new discoveries andmeanings. Ask questions about the passage using these words: who, what, why, when, where, or how. Jot down some thoughts on how you would answer these questions.

SUBSCRIPTIONS:



Try *Discipleship Journal* for yourself!

*Online: www.discipleshipjournal.com Phone: 1-800-877-1811*

*Mail: P.O. Box 5548, Harlan, IA 51593-3048*

The Mission of *Discipleship* *Journal* is to help believersdevelop a deeper relation-ship with Jesus Christ and to provide practical help in understanding the Scriptures and applying them to daily life and ministry.

1. **Capture the big idea.** God’s Word communicates big ideas. Periodically ask,

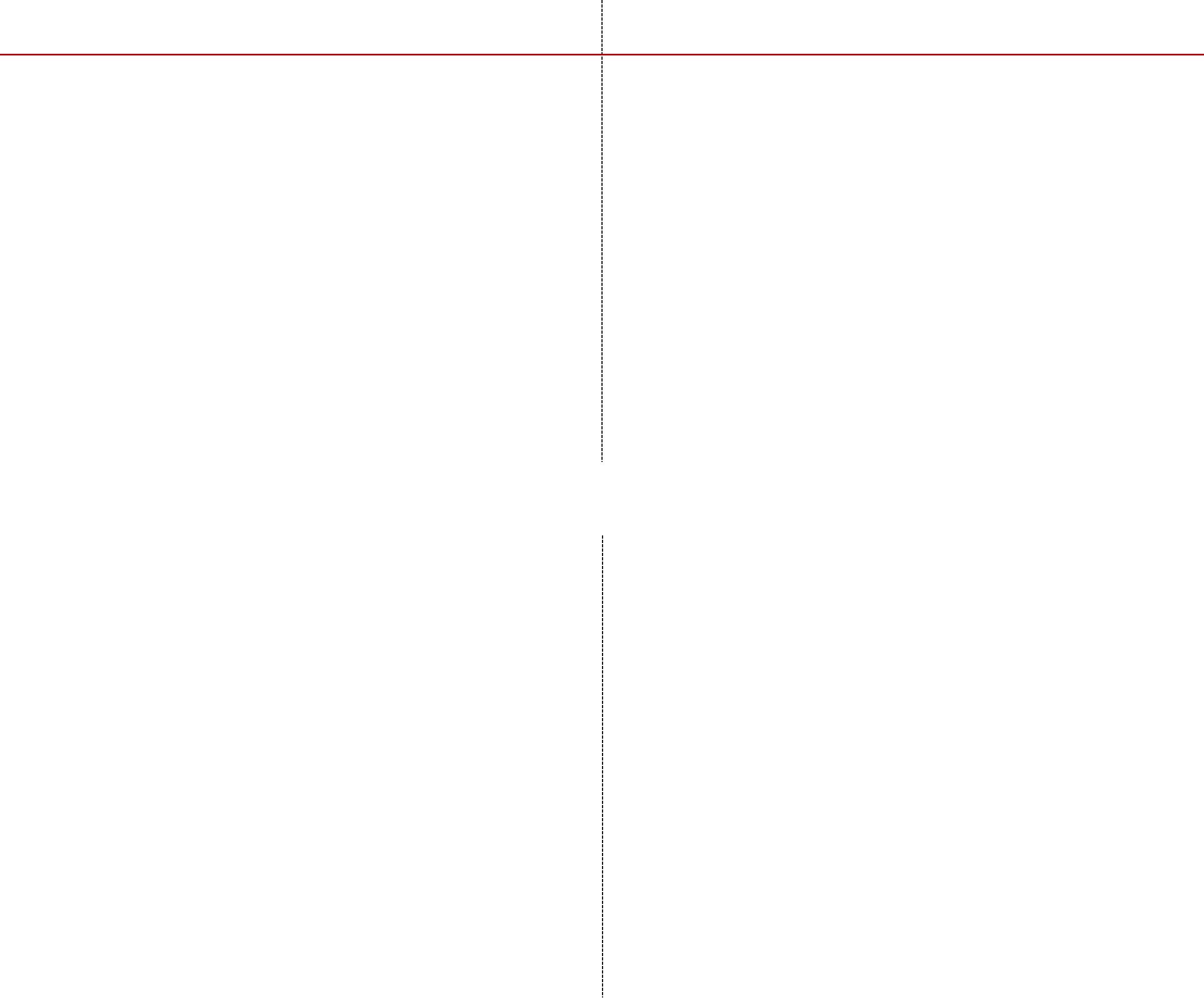
*What’s the big idea in this sentence, paragraph, or chapter?*

**5. Personalize the meaning.** When God speaks to us through the Scriptures, wemust respond. A helpful habit is personalizing the Bible through application. Ask: *How could my life be diﬀerent today as I respond to what I’m reading?*

Discipleship Journal

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| January | |  |  |  | *(February, continued)* | | | |  | April | | |  |  |  |
|  |  | 19 | |  | 20 |  |  |  |  |  |
| DATE | **✓** | CHAPTER |  | 20 | |  | 21 |  |  | DATE | | **✓** | CHAPTER | |  |
|  |  |  |  | 21 | |  | 22 |  |  |  |  |  |  |  |  |
| **Mark** |  |  |  |  |  |  |  | *Reflection* |  |  |  |
|  |  |  | 22 | |  | 23 |  |  | 1 | |  |  |  |
| 1 |  | 1 |  | 23 | |  | 24 |  |  | 2 | |  | 3 |  |  |
| 2 |  | 2 |  | 24 | | *Reflection* |  |  |  | 3 | |  | 4 |  |  |
| 3 |  | 3 |  | 25 | | *Reflection* |  |  |  | 4 | |  | 5 |  |  |
| 4 |  | 4 |  | 26 | |  | 25 |  |  | **Matthew** | | |  |  |  |
| 5 |  | 5 |  | 27 | |  | 26 |  |  | 5 | |  | 1 |  |  |
| 6 | *Reflection* |  |  | 28 | |  | 27 |  |  | 6 | |  | 2 |  |  |
| 7 | *Reflection* |  |  |  |  |  |  |  |  | 7 | | *Reflection* |  |  |  |
| 8 |  | 6 |  |  | March | |  |  |  | 8 | | *Reflection* |  |  |  |
| 9 |  | 7 |  |  |  |  |  | 9 | |  | 3 |  |  |
| 10 |  | 8 |  |  |  |  |  | 10 | |  | 4 |  |  |
| 11 |  | 9 |  |  | DATE | **✓** | CHAPTER | |  | 11 | |  | 5 |  |  |
| 12 |  | 10 |  |  |  |  |  |  |  | 12 | |  | 6 |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
| 13 | *Reflection* |  |  | 1 | |  | 28 |  |  | 13 | |  | 7 |  |  |
| 14 | *Reflection* |  |  |  | **Hebrews** | |  |  |  | 14 | | *Reflection* |  |  |  |
| 15 |  | 11 |  | 2 | |  | 1 |  |  | 15 | | *Reflection* |  |  |  |
| 16 |  | 12 |  | 3 | | *Reflection* |  |  |  | 16 | |  | 8 |  |  |
| 17 |  | 13 |  | 4 | | *Reflection* |  |  |  | 17 | |  | 9 |  |  |
| 18 |  | 14 |  | 5 | |  | 2 |  |  | 18 | |  | 10 |  |  |
| 19 |  | 15 |  | 6 | |  | 3 |  |  | 19 | |  | 11 |  |  |
| 20 | *Reflection* |  |  | 7 | |  | 4 |  |  | 20 | |  | 12 |  |  |
| 21 | *Reflection* |  |  | 8 | |  | 5 |  |  | 21 | | *Reflection* |  |  |  |
| 22 |  | 16 |  | 9 | |  | 6 |  |  | 22 | | *Reflection* |  |  |  |
| **Acts** |  |  |  | 10 | | *Reflection* |  |  |  | 23 | |  | 13 |  |  |
| 23 |  | 1 |  | 11 | | *Reflection* |  |  |  | 24 | |  | 14 |  |  |
| 24 |  | 2 |  | 12 | |  | 7 |  |  | 25 | |  | 15 |  |  |
| 25 |  | 3 |  | 13 | |  | 8 |  |  | 26 | |  | 16 |  |  |
| 26 |  | 4 |  | 14 | |  | 9 |  |  | 27 | |  | 17 |  |  |
| 27 | *Reflection* |  |  | 15 | |  | 10 |  |  | 28 | | *Reflection* |  |  |  |
| 28 | *Reflection* |  |  | 16 | |  | 11 |  |  | 29 | | *Reflection* |  |  |  |
| 29 |  | 5 |  | 17 | | *Reflection* |  |  |  | 30 | |  | 18 |  |  |
| 30 |  | 6 |  | 18 | | *Reflection* |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 31 |  | 7 |  | 19 | |  | 12 |  |  | May | | |  |  |  |
|  |  |  |  | 20 | |  | 13 |  |  |  |  |  |
| February | |  |  |  | **Galatians** | |  |  |  |  |  |  |
|  |  | 21 | |  | 1 |  |  | DATE | | **✓** | CHAPTER | |  |
|  |  | 22 | |  | 2 |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| DATE | **✓** | CHAPTER | | 23 | |  | 3 |  |  | 1 | |  | 19 |  |  |
|  |  |  |  | 24 | | *Reflection* |  |  |  | 2 | |  | 20 |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1 |  | 8 |  | 25 | | *Reflection* |  |  |  | 3 | |  | 21 |  |  |
| 2 |  | 9 |  | 26 | |  | 4 |  |  | 4 | |  | 22 |  |  |
| 3 | *Reflection* |  |  | 27 | |  | 5 |  |  | 5 | | *Reflection* |  |  |  |
| 4 | *Reflection* |  |  | 28 | |  | 6 |  |  | 6 | | *Reflection* |  |  |  |
| 5 |  | 10 |  |  | **James** |  |  |  |  | 7 | |  | 23 |  |  |
| 6 |  | 11 |  | 29 | |  | 1 |  |  | 8 | |  | 24 |  |  |
| 7 |  | 12 |  | 30 | |  | 2 |  |  | 9 | |  | 25 |  |  |
| 8 |  | 13 |  | 31 | | *Reflection* |  |  |  | 10 | |  | 26 |  |  |
| 9 |  | 14 |  |  |  |  |  |  |  | 11 | |  | 27 |  |  |
| 10 | *Reflection* |  |  |  |  |  |  |  |  | 12 | | *Reflection* |  |  |  |
| 11 | *Reflection* |  |  |  |  |  |  |  |  | 13 | | *Reflection* |  |  |  |
| 12 |  | 15 |  |  |  |  |  |  |  | 14 | |  | 28 |  |  |
| 13 |  | 16 |  |  |  |  |  |  |  | **Romans** | | |  |  |  |
| 14 |  | 17 |  |  |  |  |  |  |  | 15 | |  | 1 |  |  |
| 15 |  | 18 |  |  |  |  |  |  |  | 16 | |  | 2 |  |  |
| 16 |  | 19 |  |  |  |  |  |  |  | 17 | |  | 3 |  |  |
| 17 | *Reflection* |  |  |  |  |  |  |  |  | 18 | |  | 4 |  |  |
| 18 | *Reflection* |  |  |  |  |  |  |  |  | 19 | | *Reflection* |  |  |  |

|  |
| --- |
| *(Fold Here)* |

*Bible Reading Plan*

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| *(May, continued)* | |  |  |  | July | |  |  |  | *(August, continued)* | | | |  |
| 20 | *Reflection* |  |  |  |  |  | 20 | |  | 15 |  |  |
| 21 |  | 5 |  |  | DATE | **✓** | CHAPTER | | 21 | |  | 16 |  |  |
| 22 |  | 6 |  |  |  |  |  |  |  | **2 Corinthians** | |  |  |  |
|  |  |  | *Reflection* |  |  |  |  |  |
| 23 |  | 7 |  | 1 | |  |  | 22 | |  | 1 |  |  |
| 24 |  | 8 |  | 2 | |  | 4 |  | 23 | |  | 2 |  |  |
| 25 |  | 9 |  | 3 | |  | 5 |  | 24 | |  | 3 |  |  |
| 26 | *Reflection* |  |  | 4 | |  | 6 |  | 25 | | *Reflection* |  |  |  |
| 27 | *Reflection* |  |  | 5 | |  | 7 |  | 26 | | *Reflection* |  |  |  |
| 28 |  | 10 |  | 6 | |  | 8 |  | 27 | |  | 4 |  |  |
| 29 |  | 11 |  | 7 | | *Reflection* |  |  | 28 | |  | 5 |  |  |
| 30 |  | 12 |  | 8 | | *Reflection* |  |  | 29 | |  | 6 |  |  |
| 31 |  | 13 |  | 9 | |  | 9 |  | 30 | |  | 7 |  |  |
|  |  |  |  | 10 | |  | 10 |  | 31 | |  | 8 |  |  |
| June | |  |  | 11 | |  | 11 |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  | 12 | |  | 12 |  |  | September | | |  |  |
|  |  | 13 | |  | 13 |  |  |  |  |
| DATE | **✓** | CHAPTER | | 14 | | *Reflection* |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | 15 | | *Reflection* |  |  |  | DATE | **✓** | CHAPTER | |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| 1 |  | 14 |  | 16 | |  | 14 |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
| 2 | *Reflection* |  |  | 17 | |  | 15 |  | 1 | | *Reflection* |  |  |  |
| 3 | *Reflection* |  |  | 18 | |  | 16 |  | 2 | | *Reflection* |  |  |  |
| 4 |  | 15 |  | 19 | |  | 17 |  | 3 | |  | 9 |  |  |
| 5 |  | 16 |  | 20 | |  | 18 |  | 4 | |  | 10 |  |  |
| **Ephesians** | |  |  | 21 | | *Reflection* |  |  | 5 | |  | 11 |  |  |
| 6 |  | 1 |  | 22 | | *Reflection* |  |  | 6 | |  | 12 |  |  |
| 7 |  | 2 |  | 23 | |  | 19 |  | 7 | |  | 13 |  |  |
| 8 |  | 3 |  | 24 | |  | 20 |  | 8 | | *Reflection* |  |  |  |
| 9 | *Reflection* |  |  | 25 | |  | 21 |  | 9 | | *Reflection* |  |  |  |
| 10 | *Reflection* |  |  | 26 | |  | 22 |  |  | **1 Timothy** | |  |  |  |
| 11 |  | 4 |  | 27 | |  | 23 |  | 10 | |  | 1 |  |  |
| 12 |  | 5 |  | 28 | | *Reflection* |  |  | 11 | |  | 2 |  |  |
| 13 |  | 6 |  | 29 | | *Reflection* |  |  | 12 | |  | 3 |  |  |
| **Philippians** | |  |  | 30 | |  | 24 |  | 13 | |  | 4 |  |  |
| 14 |  | 1 |  |  | **1 Corinthians** | |  |  | 14 | |  | 5 |  |  |
| 15 |  | 2 |  | 31 | |  | 1 |  | 15 | | *Reflection* |  |  |  |
| 16 | *Reflection* |  |  |  |  |  |  |  | 16 | | *Reflection* |  |  |  |
| 17 | *Reflection* |  |  |  | August | |  |  | 17 | |  | 6 |  |  |
| 18 |  | 3 |  |  |  |  |  | **2 Timothy** | |  |  |  |
| 19 |  | 4 |  |  |  |  | 18 | |  | 1 |  |  |
| **Colossians** | |  |  |  | DATE | **✓** | CHAPTER | | 19 | |  | 2 |  |  |
| 20 |  | 1 |  |  |  |  |  |  | 20 | |  | 3 |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| 21 |  | 2 |  | 1 | |  | 2 |  | 21 | |  | 4 |  |  |
| 22 |  | 3 |  | 2 | |  | 3 |  | 22 | | *Reflection* |  |  |  |
| 23 | *Reflection* |  |  | 3 | |  | 4 |  | 23 | | *Reflection* |  |  |  |
| 24 | *Reflection* |  |  | 4 | | *Reflection* |  |  |  | **Titus** |  |  |  |  |
| 25 |  | 4 |  | 5 | | *Reflection* |  |  | 24 | |  | 1 |  |  |
| **Philemon** | |  |  | 6 | |  | 5 |  | 25 | |  | 2 |  |  |
| 26 |  | 1 |  | 7 | |  | 6 |  | 26 | |  | 3 |  |  |
| **Luke** |  |  |  | 8 | |  | 7 |  |  | **1 John** | |  |  |  |
| 27 |  | 1 |  | 9 | |  | 8 |  | 27 | |  | 1 |  |  |
| 28 |  | 2 |  | 10 | |  | 9 |  | 28 | |  | 2 |  |  |
| 29 |  | 3 |  | 11 | | *Reflection* |  |  | 29 | | *Reflection* |  |  |  |
| 30 | *Reflection* |  |  | 12 | | *Reflection* |  |  | 30 | | *Reflection* |  |  |  |
|  |  |  |  | 13 | |  | 10 |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | 14 | |  | 11 |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | 15 | |  | 12 |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | 16 | |  | 13 |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | 17 | |  | 14 |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | 18 | | *Reflection* |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | 19 | | *Reflection* |  |  |  |  |  |  |  |  |